(1)

Dr. Honey Sinha
(Assistant Professor)
Dept. of Commerce

Lecture no: 131

B. Com part - I[st]

Sub: Auditing (HONS)
Paper - II[nd]

SNSRKS COLLEGE SAHARSA

Introduction: आन्तरिक नियंत्रण पद्धति को प्रभावित करने वाले कारक (FACTORS INFLUENCING INTERNAL CONTROL SYSTEM) और आन्तरिक नियंत्रण पद्धति कि सीमाएँ (LIMITATIONS OF INTERNAL CONTROL SYSTEM).

* आन्तरिक नियंत्रण पद्धति को प्रभावित करने वाले निम्न कारक है :–

(1) संगठनात्मक संरचना (Organisational Structure)
संगठनात्मक संरचना से भी आन्तरिक नियंत्रण पद्धति बहुत हद तक प्रभावित होती है। एक संगठनात्मक संरचना जो स्पष्टत: परिभाषित उतरदायित्व एवं प्राधिकार एवं असंगत क्रियाओं का पृथक्करण का प्रावधान कार्य के लिए हिसाब देयता निर्धारित कर नियंत्रण मे वृद्धि करता है। अत: प्रबंध को चाहिए कि वह संगठनात्मक चार्ट, नीति नियमावली, सभा एवं संगोष्ठी के द्वारा प्राधिकार एवं उत्तरदायित्व का स्पष्टत: सम्प्रेषण कर दें।

(2) प्रबन्ध नेतृत्व (MANAGEMENT LEADERSHIP) :– किसी संस्था का प्रबंध, आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली को

प्रभावपूर्ण ढंग से लागू करने के लिए पूर्ण रूप से उत्तरदायी होता है। यह प्रबंध की प्रवृति से बहुत हद तक प्रभावित होता है।

(3) कर्मचारी (Personnel): कर्मचारियों की विशेषताएं दक्षता, एकता एवं नियंत्रण तकनीक आन्तरिक नियंत्रण पद्धति को प्रभावित करते है। प्रबंध को चाहिए कि वह किसी ऐसी नीति को लागू नहीं करे जिससे संस्था के कर्मचारी वित्तीय आँकड़ों के हेर-फेर के लिए प्रोत्साहित हो।

आन्तरिक नियंत्रण पद्धति की सीमाएं (LIMITATIONS OF INTERNAL CONTROL SYSTEM)

आन्तरिक नियंत्रण पद्धति की मुख्य सीमाएं निम्नलिखित है :—

(1) लागू करने की उच्च लागत (High Cost of Implementation)

अधिक लागत होने के कारण लघु आकार के व्यवसाय मे आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली को लागू नही किया जा सकता है। यह केवल बड़े व्यवसायों के लिए ही उपयुक्त होती है।

(3)

(2) मानवीय त्रुटि की सम्भावना (Potential of human error)
कर्मचारियों कि लापरवाही, निर्देशो को समझने मे गलत फहमी एवं निर्णयन की त्रुटि होने के कारण आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली प्रभावपूर्ण ढंग से लागू नही किया जा सकता है।

(3) मिलीभगत की सम्भावना (Possibility of Collusion);
आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली के अन्तर्गत कर्तव्यो का पृथक्करण एक आधारभूत सिद्धान्त है। एक लेनदेन के विभिन्न पहलुओ का लेखा करने वाले कर्मचारियो के बीच मिलीभगत कि सम्भावना हमेशा बनी रहती है जिससे आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली को प्रभावपूर्ण ढंग से लागू करना संदिग्ध हो जाता है।

(4) प्राधिकार का दुरुपयोग (Misuse of Authority) ऐसा होता है कि आन्तरिक नियंत्रण प्रक्रिया संलग्न व्यक्ति ही अपने प्राधिकार का दुरुपयोग कर सकता है। उदाहरण के लिए स्टोर कीपर जिसके पास भंडार कि कुंजी है, व्यक्तिगत प्रयोग के लिए माल का प्रयोग करें।

(5) अपर्याप्तता (Inadequacy) :—
आज का समय परिवर्तन का समय है। इन दिनो व्यवसाय के स्वत्व एवं वित्तीय वातावरण

(4)

में अतिशीघ्र परिवर्तन होने की प्रवृत्ति पायी जाती है। जैसे – व्यवसाय का एकीकरण, नयी शाखाओं की स्थापना आदि। ऐसी स्थिति में नियंत्रण प्रणाली अपर्याप्त होने लगती है

(6) प्रबन्ध द्वारा चालबाजी (Manipulation by Management)

प्रबन्ध द्वारा भी चालबाजी कर आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली को प्रभावहीन किया जा सकता है। प्रबन्ध द्वारा प्रयुक्त चालबाजी को नियंत्रण पद्धति से भी ढूंढा नहीं जा सकता है।

The end

Dr. Honey Sinha
(Assistant Professor)
Dept. of Commerce
SNSRKS College
Saharsa

—x—